

古代字書輯刊

集篆古文韻海校補

〔宋〕杜從古撰 丁治民校補



古代字書輯刊

集篆古文韻海校補

〔宋〕杜從古 撰
丁治民 校補

中華書局

圖書在版編目(CIP)數據

集篆古文韻海校補/(宋)杜從古撰;丁治民校補.
—北京:中華書局,2013.1
(古代字書輯刊)
ISBN 978-7-101-08735-2

I.集… II.①杜… ②丁… III.篆書-中國-古代-字典 IV.H163

中國版本圖書館CIP數據核字(2012)第123138號

責任編輯:陳 喬

古代字書輯刊
集篆古文韻海校補
〔宋〕杜從古 撰
丁治民 校補

*

中華書局出版發行
(北京市豐臺區太平橋西里38號 100073)
<http://www.zhbc.com.cn>
E-mail:zhbc@zhbc.com.cn
北京天來印務有限公司印刷

*

787×1092毫米 1/16·23¼印張·2插頁·310千字
2013年1月第1版 2013年1月北京第1次印刷
印數:1-2000冊 定價:68.00元

ISBN 978-7-101-08735-2

出版說明

《集篆古文韻海》，五卷，宋杜從古撰，是繼《汗簡》、《古文四聲韻》之後又一部古文字典，輯錄了當時所見的傳鈔古文和出土器銘。該書在搜集古文方面比前二者有新的增益，涉獵甚廣，如青銅器銘文、周秦碑刻文字等，可與前二書互參。

從今天來看，該書的價值主要有兩點：一是補出了《集韻》裏許多重文的古文寫法。二是吸收了前人研究的成果，採用了《汗簡》、《古文四聲韻》二書的古文字頭，占到三分之一強，擴大了古文形體的範圍，同時也是對《汗簡》、《古文四聲韻》二書的新貢獻。

《集篆古文韻海校補》由丁治民先生據《永樂大典》殘卷、《古老子》碑文、《集韻》進行了校補工作，具體情況見「校補說明」。

就目前所知，《集篆古文韻海》被轉錄或引用的除《永樂大典》外，還有元刻《古老子》碑，本書把《古老子》五千多字的古文形體重新排列，附於書後，供讀者參考。為方便讀者，我們特徵得郭子直先生家屬同意，將《記元刻古文〈老子〉碑兼評〈集篆古文韻海〉》附錄於後。

本書所據版本為宛委別藏影摹舊鈔本，一九三五年由故宮博物院委託商務印書館影印。
本書編輯過程中，承趙誠先生惠借資料，謹致謝忱。

中華書局編輯部

二〇一二年六月

目錄

出版說明	一
序	一
卷一 上平聲	三
卷二 下平聲	一四
卷三 上聲	二九
卷四 去聲	四九
卷五 入聲	七五
校補說明	九五
卷一 上平聲	一〇七

卷二 下平聲	一二三
卷三 上聲	一四三
卷四 去聲	一六五
卷五 入聲	一九二
《古老子碑文》	二〇九
記元刻古文《老子》碑兼評《集篆古文韻海》	二六三
郭子直	二六三
筆畫索引	一

集篆古文韻海

宛委別藏影摹舊鈔本

故宮博物院委託
商務印書館景印
原書葉心高廿一
公分寬十五公分



序



集篆古文韻海序

臣聞書契之作以代結繩自蒼頡垂範因制
萬事歷堯舜三代祗數千百歲祖述規
意義融光散氣炳異丹青禮樂典章
損益形名度數昭示於後持去古既邈
源學士大夫趨便就俗是無心人用其
私至有謂馬頭人為長人持十為斗之說莫可
勝舉蒼頡之文不傳而見矣至周宣王時又有
史籀其學最精今所見者獨遺石鼓秦相李斯
輒損其繁而為小篆渾厚端莊世所鮮儼在漢
則崔子玉以是而名家於唐則李陽冰因之而致
譽之矣則美矣永於斯端之門曾未遑其藩籬
窮年皓首不能得其彷彿者何耶良以見聞
不博奇與莫臻是使後進踴躍超然遠覽
比肩古人豈不可得恭惟

序

一

皇帝陛下天縱睿知觀象奎壁六體之妙超軼
前古猶且屢下明詔訪求散佚於是深山大澤
之藏秘靈千百之守鼎彝尊卣款識卷輪御
府古文奇字修篆書龐不研覽若所以饒熙
聖學屏目莫望於清光歟爰自慶歷中文莊
夏竦披剝斷研露簡銘祀文頌所得之字殆及
百家上以備顧問之不通下以便後學之討閱功蹟
甚勩殊多舛謬臣青懼朝廷有大典冊垂之萬

序

二

世而百氏濡毫體法不備豈不累太平之盛舉臣
性識闇昧固不足以商確其精猶是正其異同誠
以博求三代之字僅四十年雖未云徧每閱於目
繁然炫耀必在其世而親炙焉今擬以所集鐘鼎
之文周秦之刻下及崔瑗李陽冰筆意近古之字
句中正郭忠恕碑記集古之文有可取者摭之不
遺猶以為未也又祀寶篇韻所載古文詳考其當
收之畧盡於今韻畧字有不足則又取許慎說文

恭以鼎篆偏旁補之庶足於用而無闕焉比集韻
則不足按韻畧則有餘視珠所集則增廣數十倍
矣其所探出處之目則不盡收其書且以汗簡諸書
為證復以四聲編之分為五卷名之曰集篆古文
韻海雖未足以逮輩前著亦可為聖朝文物
中一事小臣集篆以來屢易寒暑文字浩渺是
非混淆以一己之力纂百家之學常慮終身不能
成書以負犬馬之志今則陶染聖澤得畢所學實

序

三

千載一時生死之至幸若夫所載或訛所集未博
更諒將來廣其源委臣之涓勺亦容有助於波瀾
宣和元年九月二十八日朝請郎尚書職方員外郎
臣杜從古謹序

[illegible]

[illegible]

駟
彪

十一模

揆
 模
 萬
 護
 胡
 壺
 同

𠂔
𠂔
𠂔
𠂔

 侯
 甸
 格
 吳

盾
虞
虞
上
樓
木

紉
紉
紉
紉

十二齊

古文韻海卷一

[illegible]

 𧸛
 𧸜
 𧸝
 𧸞
 𧸟
 𧸠
 𧸡
 𧸢
 𧸣
 𧸤
 𧸥
 𧸦
 𧸧
 𧸨
 𧸩

 雞
 𪚩
 𪚪
 𪚫
 𪚬








齏
 迷
 屈
 塢
 藥

卷一

十三佳

十一模

揆
 模
 萬
 護
 胡
 壺
 同

𠂔
手

𢇛
徒

𡗗
同上

𣎵
圖

𩚑
塗

 侯
 甸
 格
 吳

盾
虞
虞
上
樓
木

[illegible]

十二齊

古文韻海卷一

齊
黎
同上
庚

𪔐
 同
 𪔑
 𪔒
 𪔓
 𪔔
 𪔕
 𪔖
 𪔗
 𪔘
 𪔙
 𪔚
 𪔛
 𪔜
 𪔝
 𪔞
 𪔟
 𪔠
 𪔡
 𪔢
 𪔣
 𪔤
 𪔥
 𪔦
 𪔧
 𪔨
 𪔩
 𪔪
 𪔫
 𪔬
 𪔭
 𪔮
 𪔯
 𪔰
 𪔱
 𪔲
 𪔳
 𪔴
 𪔵
 𪔶
 𪔷
 𪔸
 𪔹
 𪔺
 𪔻
 𪔼
 𪔽
 𪔾
 𪔿
 𪕀
 𪕁
 𪕂
 𪕃
 𪕄
 𪕅
 𪕆
 𪕇
 𪕈
 𪕉
 𪕊
 𪕋
 𪕌
 𪕍
 𪕎
 𪕏
 𪕐
 𪕑
 𪕒
 𪕓
 𪕔
 𪕕
 𪕖
 𪕗
 𪕘
 𪕙
 𪕚
 𪕛
 𪕜
 𪕝
 𪕞
 𪕟
 𪕠
 𪕡
 𪕢
 𪕣
 𪕤
 𪕥
 𪕦
 𪕧
 𪕨
 𪕩
 𪕪
 𪕫
 𪕬
 𪕭
 𪕮
 𪕯
 𪕰
 𪕱
 𪕲
 𪕳
 𪕴
 𪕵
 𪕶
 𪕷
 𪕸
 𪕹
 𪕺
 𪕻
 𪕼
 𪕽
 𪕾
 𪕿
 𪖀
 𪖁
 𪖂
 𪖃
 𪖄
 𪖅
 𪖆
 𪖇
 𪖈
 𪖉
 𪖊
 𪖋
 𪖌
 𪖍
 𪖎
 𪖏
 𪖐
 𪖑
 𪖒
 𪖓
 𪖔
 𪖕
 𪖖
 𪖗
 𪖘
 𪖙
 𪖚
 𪖛
 𪖜
 𪖝
 𪖞
 𪖟
 𪖠
 𪖡
 𪖢
 𪖣
 𪖤
 𪖥
 𪖦
 𪖧
 𪖨
 𪖩
 𪖪
 𪖫
 𪖬
 𪖭
 𪖮
 𪖯
 𪖰
 𪖱
 𪖲
 𪖳
 𪖴
 𪖵
 𪖶
 𪖷
 𪖸
 𪖹
 𪖺
 𪖻
 𪖼
 𪖽
 𪖾
 𪖿
 𪗀
 𪗁
 𪗂
 𪗃
 𪗄
 𪗅
 𪗆
 𪗇
 𪗈
 𪗉
 𪗊
 𪗋
 𪗌
 𪗍
 𪗎
 𪗏
 𪗐
 𪗑
 𪗒
 𪗓
 𪗔
 𪗕
 𪗖
 𪗗
 𪗘
 𪗙
 𪗚
 𪗛
 𪗜
 𪗝
 𪗞
 𪗟
 𪗠
 𪗡
 𪗢
 𪗣
 𪗤
 𪗥
 𪗦
 𪗧
 𪗨
 𪗩
 𪗪
 𪗫
 𪗬
 𪗭
 𪗮
 𪗯
 𪗰
 𪗱
 𪗲
 𪗳
 𪗴
 𪗵
 𪗶
 𪗷
 𪗸
 𪗹
 𪗺
 𪗻
 𪗼
 𪗽
 𪗾
 𪗿
 𪘀
 𪘁
 𪘂
 𪘃
 𪘄
 𪘅
 𪘆
 𪘇
 𪘈
 𪘉
 𪘊
 𪘋
 𪘌
 𪘍
 𪘎
 𪘏
 𪘐
 𪘑
 𪘒
 𪘓
 𪘔
 𪘕
 𪘖
 𪘗
 𪘘
 𪘙
 𪘚
 𪘛
 𪘜
 𪘝
 𪘞
 𪘟
 𪘠
 𪘡
 𪘢
 𪘣
 𪘤
 𪘥
 𪘦
 𪘧
 𪘨
 𪘩
 𪘪
 𪘫
 𪘬
 𪘭
 𪘮
 𪘯
 𪘰
 𪘱
 𪘲
 𪘳
 𪘴
 𪘵
 𪘶
 𪘷
 𪘸
 𪘹
 𪘺
 𪘻
 𪘼
 𪘽
 𪘾
 𪘿
 𪙀
 𪙁
 𪙂
 𪙃
 𪙄
 𪙅
 𪙆
 𪙇
 𪙈
 𪙉
 𪙊
 𪙋
 𪙌
 𪙍
 𪙎
 𪙏
 𪙐
 𪙑
 𪙒
 𪙓
 𪙔
 𪙕
 𪙖
 𪙗
 𪙘
 𪙙
 𪙚
 𪙛
 𪙜
 𪙝
 𪙞
 𪙟
 𪙠
 𪙡
 𪙢
 𪙣
 𪙤
 𪙥
 𪙦
 𪙧
 𪙨
 𪙩
 𪙪
 𪙫
 𪙬
 𪙭
 𪙮
 𪙯
 𪙰
 𪙱
 𪙲
 𪙳
 𪙴
 𪙵
 𪙶
 𪙷
 𪙸
 𪙹
 𪙺
 𪙻
 𪙼
 𪙽
 𪙾
 𪙿
 𪚀
 𪚁
 𪚂
 𪚃
 𪚄
 𪚅
 𪚆
 𪚇
 𪚈
 𪚉
 𪚊
 𪚋
 𪚌
 𪚍
 𪚎
 𪚏
 𪚐
 𪚑
 𪚒
 𪚓
 𪚔
 𪚕
 𪚖
 𪚗
 𪚘
 𪚙
 𪚚
 𪚛
 𪚜
 𪚝
 𪚞
 𪚟
 𪚠
 𪚡
 𪚢
 𪚣
 𪚤
 𪚥
 𪚦
 𪚧
 𪚨
 𪚩
 𪚪
 𪚫
 𪚬
 𪚭
 𪚮
 𪚯
 𪚰
 𪚱
 𪚲
 𪚳
 𪚴
 𪚵
 𪚶
 𪚷
 𪚸
 𪚹
 𪚺
 𪚻
 𪚼
 𪚽
 𪚾
 𪚿
 𪛀
 𪛁
 𪛂
 𪛃
 𪛄
 𪛅
 𪛆
 𪛇
 𪛈
 𪛉
 𪛊
 𪛋
 𪛌
 𪛍
 𪛎
 𪛏
 𪛐
 𪛑
 𪛒
 𪛓
 𪛔
 𪛕

 𪛗
 𪛘
 𪛙
 𪛚
 𪛛
 𪛜
 𪛝
 𪛞
 𪛟
 𪛠
 𪛡
 𪛢
 𪛣
 𪛤
 𪛥

 雞
 𪚩
 𪚪
 𪚫
 𪚬








齧
 迷
 厓
 塤
 齧

卷一

十三佳

十三佳

佳 佳
楷 楷
𠂔 𠂔

十四皆

𠂔 皆
𠂔 皆
𠂔 皆
𠂔 皆
𠂔 皆

𠂔 同
𠂔 同
𠂔 同
𠂔 同
𠂔 同

𠂔 同
𠂔 同
𠂔 同
𠂔 同
𠂔 同

十五灰

𠂔 灰
𠂔 灰
𠂔 灰
𠂔 灰
𠂔 灰

𠂔 灰
𠂔 灰
𠂔 灰
𠂔 灰
𠂔 灰

古文韻海卷一

十一

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環
𠂔 環

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

古文韻海卷一

十二

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲
𠂔 獲

[illegible]

𠂔	𠂕	𠂖	𠂗	𠂘
𠂙	𠂚	𠂛	𠂜	𠂝
𠂞	𠂟	𠂠	𠂡	𠂢
𠂣	𠂤	𠂥	𠂦	𠂧
𠂨	𠂩	𠂪	𠂫	𠂬
𠂭	𠂮	𠂯	𠂰	𠂱
𠂲	𠂳	𠂴	𠂵	𠂶
𠂷	𠂸	𠂹	𠂺	𠂻
𠂼	𠂽	𠂾	𠂿	𠃀
𠃁	𠃂	𠃃	𠃄	𠃅
𠃆	𠃇	𠃈	𠃉	𠃊
𠃋	𠃌	𠃍	𠃎	𠃏
𠃐	𠃑	𠃒	𠃓	𠃔
𠃕	𠃖	𠃗	𠃘	𠃙
𠃚	𠃛	𠃜	𠃝	𠃞
𠃟	𠃠	𠃡	𠃢	𠃣
𠃤	𠃥	𠃦	𠃧	𠃨
𠃩	𠃪	𠃫	𠃬	𠃭
𠃮	𠃯	𠃰	𠃱	𠃲
𠃳	𠃴	𠃵	𠃶	𠃷
𠃸	𠃹	𠃺	𠃻	𠃼
𠃽	𠃾	𠃿	𠄀	𠄁
𠄂	𠄃	𠄄	𠄅	𠄆
𠄇	𠄈	𠄉	𠄊	𠄋
𠄌	𠄍	𠄎	𠄏	𠄐
𠄑	𠄒	𠄓	𠄔	𠄕
𠄖	𠄗	𠄘	𠄙	𠄚
𠄛	𠄜	𠄝	𠄞	𠄟
𠄠	𠄡	𠄢	𠄣	𠄤
𠄥	𠄦	𠄧	𠄨	𠄩
𠄪	𠄫	𠄬	𠄭	𠄮
𠄯	𠄰	𠄱	𠄲	𠄳
𠄴	𠄵	𠄶	𠄷	𠄸
𠄹	𠄺	𠄻	𠄼	𠄽
𠄾	𠄿	𠅀	𠅁	𠅂
𠅃	𠅄	𠅅	𠅆	𠅇
𠅈	𠅉	𠅊	𠅋	𠅌
𠅍	𠅎	𠅏	𠅐	𠅑
𠅒	𠅓	𠅔	𠅕	𠅖
𠅗	𠅘	𠅙	𠅚	𠅛
𠅜	𠅝	𠅞	𠅟	𠅠
𠅡	𠅢	𠅣	𠅤	𠅥
𠅦	𠅧	𠅨	𠅩	𠅪
𠅫	𠅬	𠅭	𠅮	𠅯
𠅰	𠅱	𠅲	𠅳	𠅴
𠅵	𠅶	𠅷	𠅸	𠅹
𠅺	𠅻	𠅼	𠅽	𠅾
𠅿	𠆀	𠆁	𠆂	𠆃
𠆄	𠆅	𠆆	𠆇	𠆈
𠆉	𠆊	𠆋	𠆌	𠆍
𠆎	𠆏	𠆐	𠆑	𠆒
𠆓	𠆔	𠆕	𠆖	𠆗
𠆘	𠆙	𠆚	𠆛	𠆜
𠆝	𠆞	𠆟	𠆠	𠆡
𠆢	𠆣	𠆤	𠆥	𠆦
𠆧	𠆨	𠆩	𠆪	𠆫
𠆬	𠆭	𠆮	𠆯	𠆰
𠆱	𠆲	𠆳	𠆴	𠆵
𠆶	𠆷	𠆸	𠆹	𠆺
𠆻	𠆼	𠆽	𠆾	𠆿
𠇀	𠇁	𠇂	𠇃	𠇄
𠇅	𠇆	𠇇	𠇈	𠇉
𠇊	𠇋	𠇌	𠇍	𠇎
𠇏	𠇐	𠇑	𠇒	𠇓
𠇔	𠇕	𠇖	𠇗	𠇘
𠇙	𠇚	𠇛	𠇜	𠇝
𠇞	𠇟	𠇠	𠇡	𠇢
𠇣	𠇤	𠇥	𠇦	𠇧
𠇨	𠇩	𠇪	𠇫	𠇬
𠇭	𠇮	𠇯	𠇰	𠇱
𠇲	𠇳	𠇴	𠇵	𠇶
𠇷	𠇸	𠇹	𠇺	𠇻
𠇼	𠇽	𠇾	𠇿	𠈀
𠈁	𠈂	𠈃	𠈄	𠈅
𠈆	𠈇	𠈈	𠈉	𠈊
𠈋	𠈌	𠈍	𠈎	𠈏
𠈐	𠈑	𠈒	𠈓	𠈔
𠈕	𠈖	𠈗	𠈘	𠈙
𠈚	𠈛	𠈜	𠈝	𠈞
𠈟	𠈠	𠈡	𠈢	𠈣
𠈤	𠈥	𠈦	𠈧	𠈨
𠈩	𠈪	𠈫	𠈬	𠈭
𠈮	𠈯	𠈰	𠈱	𠈲
𠈳	𠈴			

[illegible]

𤑔	𤑕	𤑖	𤑗	𤑘	𤑙	𤑚	𤑛	𤑜	𤑝	𤑞	𤑟	𤑠	𤑡	𤑢	𤑣	𤑤	𤑥	𤑦	𤑧	𤑨	𤑩	𤑪	𤑫	𤑬	𤑭	𤑮	𤑯	𤑰	𤑱	𤑲	𤑳	𤑴	𤑵	𤑶	𤑷	𤑸	𤑹	𤑺	𤑻	𤑼	𤑽	𤑾	𤑿	𤒀	𤒁	𤒂	𤒃	𤒄	𤒅	𤒆	𤒇	𤒈	𤒉	𤒊	𤒋	𤒌	𤒍	𤒎	𤒏	𤒐	𤒑	𤒒	𤒓	𤒔	𤒕	𤒖	𤒗	𤒘	𤒙	𤒚	𤒛	𤒜	𤒝	𤒞	𤒟	𤒠	𤒡	𤒢	𤒣	𤒤	𤒥	𤒦	𤒧	𤒨	𤒩	𤒪	𤒫	𤒬	𤒭	𤒮	𤒯	𤒰	𤒱	𤒲	𤒳	𤒴	𤒵	𤒶	𤒷	𤒸	𤒹	𤒺	𤒻	𤒼	𤒽	𤒾	𤒿	𤓀	𤓁	𤓂	𤓃	𤓄	𤓅	𤓆	𤓇	𤓈	𤓉	𤓊	𤓋	𤓌	𤓍	𤓎	𤓏	𤓐	𤓑	𤓒	𤓓	𤓔	𤓕	𤓖	𤓗	𤓘	𤓙	𤓚	𤓛	𤓜	𤓝	𤓞	𤓟	𤓠	𤓡	𤓢	𤓣	𤓤	𤓥	𤓦	𤓧	𤓨	𤓩	𤓪	𤓫	𤓬	𤓭	𤓮	𤓯	𤓰	𤓱	𤓲	𤓳	𤓴	𤓵	𤓶	𤓷	𤓸	𤓹	𤓺	𤓻	𤓼	𤓽	𤓾	𤓿	𤔀	𤔁	𤔂	𤔃	𤔄	𤔅	𤔆	𤔇	𤔈	𤔉	𤔊	𤔋	𤔌	𤔍	𤔎	𤔏	𤔐	𤔑	𤔒	𤔓	𤔔	𤔕	𤔖	𤔗	𤔘	𤔙	𤔚	𤔛	𤔜	𤔝	𤔞	𤔟	𤔠	𤔡	𤔢	𤔣	𤔤	𤔥	𤔦	𤔧	𤔨	𤔩	𤔪	𤔫	𤔬	𤔭	𤔮	𤔯	𤔰	𤔱	𤔲	𤔳	𤔴	𤔵	𤔶	𤔷	𤔸	𤔹	𤔺	𤔻	𤔼	𤔽	𤔾	𤔿	𤕀	𤕁	𤕂	𤕃	𤕄	𤕅	𤕆	𤕇	𤕈	𤕉	𤕊	𤕋	𤕌	𤕍	𤕎	𤕏	𤕐	𤕑	𤕒	𤕓	𤕔	𤕕	𤕖	𤕗	𤕘	𤕙	𤕚	𤕛	𤕜	𤕝	𤕞	𤕟	𤕠	𤕡	𤕢	𤕣	𤕤	𤕥	𤕦	𤕧	𤕨	𤕩	𤕪	𤕫	𤕬	𤕭	𤕮	𤕯	𤕰	𤕱	𤕲	𤕳	𤕴	𤕵	𤕶	𤕷	𤕸	𤕹	𤕺	𤕻	𤕼	𤕽	𤕾	𤕿	𤖀	𤖁	𤖂	𤖃	𤖄	𤖅	𤖆	𤖇	𤖈	𤖉	𤖊	𤖋	𤖌	𤖍	𤖎	𤖏	𤖐	𤖑	𤖒	𤖓	𤖔	𤖕	𤖖	𤖗	𤖘	𤖙	𤖚	𤖛	𤖜	𤖝	𤖞	𤖟	𤖠	𤖡	𤖢	𤖣	𤖤	𤖥	𤖦	𤖧	𤖨	𤖩	𤖪	𤖫	𤖬	𤖭	𤖮	𤖯	𤖰	𤖱	𤖲	𤖳	𤖴	𤖵	𤖶	𤖷	𤖸	𤖹	𤖺	𤖻	𤖼	𤖽	𤖾	𤖿	𤗀	𤗁	𤗂	𤗃	𤗄	𤗅	𤗆	𤗇	𤗈	𤗉	𤗊	𤗋	𤗌	𤗍	𤗎	𤗏	𤗐	𤗑	𤗒	𤗓	𤗔	𤗕	𤗖	𤗗	𤗘	𤗙	𤗚	𤗛	𤗜	𤗝	𤗞	𤗟	𤗠	𤗡	𤗢	𤗣	𤗤	𤗥	𤗦	𤗧	𤗨	𤗩	𤗪	𤗫	𤗬	𤗭	𤗮	𤗯	𤗰	𤗱	𤗲	𤗳	𤗴	𤗵	𤗶	𤗷	𤗸	𤗹	𤗺	𤗻	𤗼	𤗽	𤗾	𤗿	𤘀	𤘁	𤘂	𤘃	𤘄	𤘅	𤘆	𤘇	𤘈	𤘉	𤘊	𤘋	𤘌	𤘍	𤘎	𤘏	𤘐	𤘑	𤘒	𤘓	𤘔	𤘕	𤘖	𤘗	𤘘	𤘙	𤘚	𤘛	𤘜	𤘝	𤘞	𤘟	𤘠	𤘡	𤘢	𤘣	𤘤	𤘥	𤘦	𤘧	𤘨	𤘩	𤘪	𤘫	𤘬	𤘭	𤘮	𤘯	𤘰	𤘱	𤘲	𤘳	𤘴	𤘵	𤘶	𤘷	𤘸	𤘹	𤘺	𤘻	𤘼	𤘽	𤘾	𤘿	𤙀	𤙁	𤙂	𤙃	𤙄	𤙅	𤙆	𤙇	𤙈	𤙉	𤙊	𤙋	𤙌	𤙍	𤙎	𤙏	𤙐	𤙑	𤙒	𤙓	𤙔	𤙕	𤙖	𤙗	𤙘	𤙙	𤙚	𤙛	𤙜	𤙝	𤙞	𤙟	𤙠	𤙡	𤙢	𤙣	𤙤	𤙥	𤙦	𤙧	𤙨	𤙩	𤙪	𤙫	𤙬	𤙭	𤙮	𤙯	𤙰	𤙱	𤙲	𤙳	𤙴	𤙵	𤙶	𤙷	𤙸	𤙹	𤙺	𤙻	𤙼	𤙽	𤙾	𤙿	𤚀	𤚁	𤚂	𤚃	𤚄	𤚅	𤚆	𤚇	𤚈	𤚉	𤚊	𤚋	𤚌	𤚍	𤚎	𤚏	𤚐	𤚑	𤚒	𤚓	𤚔	𤚕	𤚖	𤚗	𤚘	𤚙	𤚚	𤚛	𤚜	𤚝	𤚞	𤚟	𤚠	𤚡	𤚢	𤚣	𤚤	𤚥	𤚦	𤚧	𤚨	𤚩	𤚪	𤚫	𤚬	𤚭	𤚮	𤚯	𤚰	𤚱	𤚲	𤚳	𤚴	𤚵	𤚶	𤚷	𤚸	𤚹	𤚺	𤚻	𤚼	𤚽	𤚾	𤚿	𤛀	𤛁	𤛂	𤛃	𤛄	𤛅	𤛆	𤛇	𤛈	𤛉	𤛊	𤛋	𤛌	𤛍	𤛎	𤛏	𤛐	𤛑	𤛒	𤛓	𤛔	𤛕	𤛖	𤛗	𤛘	𤛙	𤛚	𤛛	𤛜	𤛝	𤛞	𤛟	𤛠	𤛡	𤛢	𤛣	𤛤	𤛥	𤛦	𤛧	𤛨	𤛩	𤛪	𤛫	𤛬	𤛭	𤛮	𤛯	𤛰	𤛱	𤛲	𤛳	𤛴	𤛵	𤛶	𤛷	𤛸	𤛹	𤛺	𤛻	𤛼	𤛽	𤛾	𤛿	𤜀	𤜁	𤜂	𤜃	𤜄	𤜅	𤜆	𤜇	𤜈	𤜉	𤜊	𤜋	𤜌	𤜍	𤜎	𤜏	𤜐	𤜑	𤜒	𤜓	𤜔	𤜕	𤜖	𤜗	𤜘	𤜙	𤜚	𤜛	𤜜	𤜝	𤜞	𤜟	𤜠	𤜡	𤜢	𤜣	𤜤	𤜥	𤜦	𤜧	𤜨	𤜩	𤜪	𤜫	𤜬	𤜭	𤜮	𤜯	𤜰	𤜱	𤜲	𤜳	𤜴	𤜵	𤜶	𤜷	𤜸	𤜹	𤜺	𤜻	𤜼	𤜽	𤜾	𤜿	𤝀	𤝁	𤝂	𤝃	𤝄	𤝅	𤝆	𤝇	𤝈	𤝉	𤝊	𤝋	𤝌	𤝍	𤝎	𤝏	𤝐	𤝑	𤝒	𤝓	𤝔	𤝕	𤝖	𤝗	𤝘	𤝙	𤝚	𤝛	𤝜	𤝝	𤝞	𤝟	𤝠	𤝡	𤝢	𤝣	𤝤	𤝥	𤝦	𤝧	𤝨	𤝩	𤝪	𤝫	𤝬	𤝭	𤝮	𤝯	𤝰	𤝱	𤝲	𤝳	𤝴	𤝵	𤝶	𤝷	𤝸	𤝹	𤝺	𤝻	𤝼	𤝽	𤝾	𤝿	𤞀	𤞁	𤞂	𤞃	𤞄	𤞅	𤞆	𤞇	𤞈	𤞉	𤞊	𤞋	𤞌	𤞍	𤞎	𤞏	𤞐	𤞑	𤞒	𤞓	𤞔	𤞕	𤞖	𤞗	𤞘	𤞙	𤞚	𤞛	𤞜	𤞝	𤞞	𤞟	𤞠	𤞡	𤞢	𤞣	𤞤	𤞥	𤞦	𤞧	𤞨	𤞩	𤞪	𤞫	𤞬	𤞭	𤞮	𤞯	𤞰	𤞱	𤞲	𤞳	𤞴	𤞵	𤞶	𤞷	𤞸	𤞹	𤞺	𤞻	𤞼	𤞽	𤞾	𤞿	𤟀	𤟁	𤟂	𤟃	𤟄	𤟅	𤟆	𤟇	𤟈	𤟉	𤟊	𤟋	𤟌	𤟍	𤟎	𤟏	𤟐	𤟑	𤟒	𤟓	𤟔	𤟕	𤟖	𤟗	𤟘	𤟙	𤟚	𤟛	𤟜	𤟝	𤟞	𤟟	𤟠	𤟡	𤟢	𤟣	𤟤	𤟥	𤟦	𤟧	𤟨	𤟩	𤟪	𤟫	𤟬	𤟭	𤟮	𤟯	𤟰	𤟱	𤟲	𤟳	𤟴	𤟵	𤟶	𤟷	𤟸	𤟹	𤟺	𤟻	𤟼	𤟽	𤟾	𤟿	𤠀	𤠁	𤠂	𤠃	𤠄	𤠅	𤠆	𤠇	𤠈	𤠉	𤠊	𤠋	𤠌	𤠍	𤠎	𤠏	𤠐	𤠑	𤠒	𤠓	𤠔	𤠕	𤠖	𤠗	𤠘	𤠙	𤠚	𤠛	𤠜	𤠝	𤠞	𤠟	𤠠	𤠡	𤠢	𤠣	𤠤	𤠥	𤠦	𤠧	𤠨	𤠩	𤠪	𤠫	𤠬	𤠭	𤠮	𤠯	𤠰	𤠱	𤠲	𤠳	𤠴	𤠵	𤠶	𤠷	𤠸	𤠹	𤠺	𤠻	𤠼	𤠽	𤠾	𤠿	𤡀	𤡁	𤡂	𤡃	𤡄	𤡅	𤡆	𤡇	𤡈	𤡉	𤡊	𤡋	𤡌	𤡍	𤡎	𤡏	𤡐	𤡑	𤡒	𤡓	𤡔	𤡕	𤡖	𤡗	𤡘	𤡙	𤡚	𤡛	𤡜	𤡝	𤡞	𤡟	𤡠	𤡡	𤡢	𤡣	𤡤	𤡥	𤡦	𤡧	𤡨	𤡩	𤡪	𤡫	𤡬	𤡭	𤡮	𤡯	𤡰	𤡱	𤡲	𤡳	𤡴	𤡵	𤡶	𤡷	𤡸	𤡹	𤡺	𤡻	𤡼	𤡽	𤡾	𤡿	𤢀	𤢁	𤢂	𤢃	𤢄	𤢅	𤢆	𤢇	𤢈	𤢉	𤢊	𤢋	𤢌	𤢍	𤢎	𤢏	𤢐	𤢑	𤢒	𤢓	𤢔	𤢕	𤢖	𤢗	𤢘	𤢙	𤢚	𤢛	𤢜	𤢝	𤢞	𤢟	𤢠	𤢡	𤢢	𤢣	𤢤	𤢥	𤢦	𤢧	𤢨	𤢩	𤢪	𤢫	𤢬	𤢭	𤢮	𤢯	𤢰	𤢱	𤢲	𤢳	𤢴	𤢵	𤢶	𤢷	𤢸	𤢹	𤢺	𤢻	𤢼	𤢽	𤢾	𤢿	𤣀	𤣁	𤣂	𤣃	𤣄	𤣅	𤣆	𤣇	𤣈	𤣉	𤣊	𤣋	𤣌	𤣍	𤣎	𤣏	𤣐	𤣑	𤣒	𤣓	𤣔	𤣕	𤣖	𤣗	𤣘	𤣙	𤣚	𤣛	𤣜	𤣝	𤣞	𤣟	𤣠	𤣡	𤣢	𤣣	𤣤	𤣥	𤣦	𤣧	𤣨	𤣩	𤣪	𤣫	𤣬	𤣭	𤣮	𤣯	𤣰	𤣱	𤣲	𤣳	𤣴	𤣵	𤣶	𤣷	𤣸	𤣹	𤣺	𤣻	𤣼	𤣽	𤣾	𤣿	𤤀	𤤁	𤤂	𤤃	𤤄	𤤅	𤤆	𤤇	𤤈	𤤉	𤤊	𤤋	𤤌	𤤍	𤤎	𤤏	𤤐	𤤑	𤤒	𤤓	𤤔	𤤕	𤤖	𤤗	𤤘	𤤙	𤤚	𤤛	𤤜	𤤝	𤤞	𤤟	𤤠	𤤡	𤤢	𤤣	𤤤	𤤥	𤤦	𤤧	𤤨	𤤩	𤤪	𤤫	𤤬	𤤭	𤤮	𤤯	𤤰	𤤱	𤤲	𤤳	𤤴	𤤵	𤤶	𤤷	𤤸	𤤹	𤤺	𤤻	𤤼	𤤽	𤤾	𤤿	𤥀	𤥁	𤥂	𤥃	𤥄	𤥅	𤥆	𤥇	𤥈	𤥉	𤥊	𤥋	𤥌	𤥍	𤥎	𤥏	𤥐	𤥑	𤥒	𤥓	𤥔	𤥕	𤥖	𤥗	𤥘	𤥙	𤥚	𤥛	𤥜	𤥝	𤥞	𤥟	𤥠	𤥡	𤥢	𤥣	𤥤	𤥥	𤥦	𤥧	𤥨	𤥩	𤥪	𤥫	𤥬	𤥭	𤥮	𤥯	𤥰	𤥱	𤥲	𤥳	𤥴	𤥵	𤥶	𤥷	𤥸	𤥹	𤥺	𤥻	𤥼	𤥽	𤥾	𤥿	𤦀	𤦁	𤦂	𤦃	𤦄	𤦅	𤦆	𤦇	𤦈	𤦉	𤦊	𤦋	𤦌	𤦍	𤦎	𤦏	𤦐	𤦑	𤦒	𤦓	𤦔	𤦕	𤦖	𤦗	𤦘	𤦙	𤦚	𤦛	𤦜	𤦝	𤦞	𤦟	𤦠	𤦡	𤦢	𤦣	𤦤	𤦥	𤦦	𤦧	𤦨	𤦩	𤦪	𤦫	𤦬	𤦭	𤦮	𤦯	𤦰	𤦱	𤦲	
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	--

帛 婚 鑑 闕 昏 暗 星 環	坤 髡 髡 髡 髡 髡 星 環	奔 貢 奔 貢 奔 貢 星 環	門 捫 門 捫 門 捫 星 環	豐 闕 豐 闕 豐 闕 星 環	燒 燒 燒 燒 燒 燒 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環	專 專 專 專 專 專 星 環
------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------

寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒	寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒 寒
------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------	------------------------------------